एक दिन का सफर

मेरा नाम मितेश अम्बेकर है और मैं शिवडी वडाला एस्टेट स्कूल में पढ़ता हूँ। मैंने सलाम बॉम्बे फाउंडेशन की तरफ से वेब डिज़ाइन और टाटा ट्रेंड के रिटेल के बारे में भी जाना,जिससे मुझे पता चला कि कैसे हम रिटेल सेक्टर में काम कर सकते है और आगे बढ़ सकते है,वेब डिज़ाइन के द्वारा मैंने सीखा कैसे वेब पेज बना सकते है और वेब डिज़ाइन से हम कैसे पैसे कमा सकते है।

एक दिन सलाम बॉम्बे की तरफ से हमें वेस्ट साइड मॉल में जाने का मौका मिला, जिससे हमें वहा के माहौल के बारे में पता चला और बहुत कुछ सिखने मिला। वेस्ट साइड मॉल में वहा के मैनेजर ने हमें वहा के कायदे क़ानून के बारे में बताया। मैनेजर का नाम तो याद नहीं पर उन्होंने हमें बहुत अच्छे से सभी मुद्दों को समझाया, उन्होंने हमें बताया की कैसे हमें खुद को सवारना है और मैंने सीखा की कैसे अपने आप को सामने वाले को प्रेजेंट करना है।

हमने वह देखा की कैसे सामान को रखना है जिससे लोग देखकर अट्रैक हो और आये खरीददारी करे। शॉप को हमेसा साफ़ सुथारा रखना है। खुद को हमेसा साफ़ रखना है जिससे लोग हमें देखकर दूर न जाए और हमारे पास आकर हमसे बात करे। मैंने वहा शिखा की हमें अपने आपको हमेशा सवारें रखना चाहिए जिससे हम अच्छे दिखे और लोग हमें पसंद करे । हमें अपने ग्राहकों को सभी सामन के बारे में अच्छे से बताना है जिससे वो उसके बारे में जान सके और उनसे हमें बहुत ही मधुर आवाज़ में और सम्मान पूर्वक बात करना है जिससे उसे बुरा ना लगे और वह और भी खरीददारी करे।

मॉल में सभी काम करने वाले एक दूसरे की मदद करते है अगर कही किसी को कुछ दिक्कत आयी तो। कभी किसी भी काम करने वाले के बारे में गलत बात नहीं करनी है यदि हम ऐसा करते है तो इससे हमारे चरित्र पर दाग लगेगा। मुझे वहा ये भी सिखने मिला कि हम कैसे अपने हिसाब किताब को सही से रख सकते है, कभी भी किसी तरह का हिसाब किताब में हेरा फेरी नहीं करनी है वरना चरित्र पर दाग ना लगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी ऐसी जगह पर जाकर ऐसा कुछ सिखने मिलेगा। मैं तहे दिल से सलाम बॉम्बे फाउंडेशन को धन्यवाद् देता हु जिसके कारण मुझे ऐसा मौका मिला जिससे मैंने बहुत कुछ नयी चीजे सिखने मिला।

कपड़ो के बारे में बताया

अलग-अलग काउंटर के बारे में बताया

कॉस्मेटिक उत्पादों के बारे में बताया